

प्रेषक,

अनूप वधावन,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,

हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक १५ नवम्बर, 2009

विषय : कुम्भ मेला, 2010 हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1313/IV(1)/2009-39(सा.) / 2006-टी.सी. दिनांक 30.9.2009 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आगामी कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत संलग्न बी.एम.-15 में अंकित विवरणानुसार रु. 10000 लाख (रु. सौ करोड़ मात्र) की धनराशि को भी पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृत कर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त निवर्तन पर रखी गई धनराशि का वित्तीय वर्ष 2009-10 की शेष अवधि में आहरण एवं व्यय शासन स्तर से विभिन्न कार्यों हेतु पृथक-पृथक स्वीकृतियां निर्गत होने पर ही किया जाएगा।
2. उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उन्हीं कार्यों एवं मदों में किया जाएगा, जिसके लिए स्वीकृति प्रदान की जा रही है। साथ ही धनराशि का व्यय संबंधित स्वीकृतियों एवं इस शासनादेश में वर्णित प्रतिबन्धों के अन्तर्गत ही किया जाएगा।
3. स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 व उसके संबंध में समय-समय पर निर्गत दिशानिर्देशों एवं मितव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
4. उक्तानुसार आवंटित धनराशि किसी अन्य मद में व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाएगा।
5. अप्रयुक्त धनराशि का बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार दिनांक 31.3.2010 तक समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
6. उक्त धनराशि का आहरण मेलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोड से किया जाएगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के 'अनुदान संख्या-13' के 'आयोजनागत' पक्ष के लेखाशीर्षक "2217-शहरी विकास-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा" के अन्तर्गत मानक मद "20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता" के नामे डाला जाएगा तथा पुनर्विनियोजन संलग्न प्रपत्र बी.एम.-15 के स्तम्भ-1 की बचतों से किया जाएगा।

क्रमशः...

- 3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 725/XXVII(2)/2009 दिनांक 20, नवम्बर, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।  
संलग्न : प्रपत्र बी.एम.-15।

भवदीय,

(अनूप वधावन)  
सचिव।

संख्या : 1614 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 24/11/09

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 9. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
10. गार्ड बुक।

आज्ञा से,  
(सुभाष चन्द्र)  
अनुसचिव।



नियन्त्रक अधिकारी - सचिव, शहरी विकास, उत्तराखण्ड शासन।

वित्तीय वर्ष 2009-10  
प्रशासनिक विभाग - शहरी विकास  
अनुदान संख्या -  
(घनराशि हजार रुपये)

बजट प्राविधानित लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अयावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस घनराशि)	लेखाशीर्षक, जिसमें घनराशि स्थानान्तरित की जानी है	पुनर्विनियोग के बाद संतुल्य-5 घनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष घनराशि (कोलम 7 में अवशेष)	अभ्युक्ति
01	02	03	04	05	06	07	08
अनुदान संख्या-13-आयोजनागत				अनुदान संख्या-13-आयोजनागत			
"2217-शहरी विकास 03-छोटे एवं मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास 181-स्थानीय निकायों, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता 97-वाह्य सहायित योजना 01-नगरीय अवस्थापना का सुदृढीकरण 42-अन्य व्यय 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना 05-नेशनल अरबन रिनियूअल मिशन (50प्रति.के.स.) 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता 1201900	0	109800	300000 (ख)	"2217-शहरी विकास 80-सामान्य 800-अन्य 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना 07-हरिद्वार कुम्भ मेला, 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता 1000000(क) 28000000			(क) आगामी हरिद्वार कुम्भ मेला 2010 हेतु अवस्थापना सुविधा के विकास हेतु भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2008-10 अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता (ए.र.ए.) रु. 400 करोड़ आवंटन हेतु उक्त के विपरीत पर्याप्त बजट व्यवस्था न होने के कारण ता कुम्भ के कार्य समयबद्ध रूप पूर्ण करने के कारण। ख-वाह्य सहायता एवं केन्द्र सहायता प्राप्त न होने के कारण
योग	1611500	272657	338843	1000000	2800000	611500	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद-150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

(अनुप ठाकुर)  
सचिव

उत्तराखण्ड शासन,  
वित्त अनुभाग-2  
संख्या : 725(H) / XXVII(2) / 2009  
देहरादून : २० नवम्बर, 2009

पुनर्विनियोग स्वीकृत,  
( डॉ. एम.सी. जोशी )  
अपर सचिव, वित्त।

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी),

उत्तराखण्ड, भाजरा, देहरादून।

संख्या-1614 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 24/11/09

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. मेलाधिकारी, हरिद्वार।
2. गरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
3. वित्त अनुभाग-2

( सुभाष चन्द्र )  
अनुसचिव,  
राष्ट्रीय विकास।